

ऊना अस्पताल में प्रसूता की मौत पर डॉक्टर निलंबित, इयूटी से गायब रहने का आरोप

● 33 वर्षीय रीना देवी की मौत के बाद

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, तीन दिन में जांच रिपोर्ट सौंपने के आदेश

शिमला, ब्यूरो। ऊना क्षेत्रीय अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती 33

शिमला निदेशालय
रहेगा मुख्यालय

राज्यपाल की शक्तियों के तहत सीसीएस (सीसीए) नियम, 1965 के नियम 10 के अंतर्गत डॉक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, शिमला निष्चारित किया गया है। सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना वह मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। प्रसूता की मौत के मामले में अब जांच के तरीके रिपोर्ट पर नज़र टिकी हैं। जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि उपचार के दौरान किन परिस्थितियों में महिला की मौत हुई और इसमें किसी स्तर पर लापरवाही हुई या नहीं। विभागीय जोच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा महिला मोर्चा का कांग्रेस कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन, राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद का पुतला फूंका : डेजी ठाकुर

महिलाओं के उत्पीड़न के आरोपों पर चुप्पी तोड़ें राहुल गांधी, संबंधित सांसद के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करे कांग्रेस नेतृत्व : डेजी ठाकुर

शिमला, ब्यूरो। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चावर्ग हिमाचल प्रदेश ने प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर ने नेतृत्व में शिमला के कार्टर रोड स्थित कांग्रेससंसद कार्यालय के बाहर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। हंस दौरेन बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेसकार्ग शिमला के विरुद्ध नारेबाजी की तथा कांग्रेससंसद कार्यालय राहुल गांधी और मजपुर से कांग्रेससंसद कार्यालय अगोमचवा बिमोल अकोइजम का पुलस फूंककराया। अगोमचवा विरोध दर्ज करवाया। यह प्रदर्शन कांग्रेससंसद कार्यालय एव जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से जुड़े प्रोफेसर अगोमचवा बिमोल अकोइजम के विरुद्ध ११ महिलाओं द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों पर पुलस जाणे तथा उत्पीड़न कथित बर्खास्तगी से संबंधित मामले को लेकर आयोजित किया गया।

धरने को सबीकायित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर ने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुखा और गरिमा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा राजनीतिक संरक्षण स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि काँग्रेस के एक सांसद के निरुद्ध प्रसंग प्रकाश के गंभीर आरोप सामने आना अत्यन्त चिन्ताजनक है और काँग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को इस विषय पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

डेजी ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस नेता रहलु गांधी महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की वादाबाद करते हैं, लेकिन जब उनकी अपनी पार्टी के नेता गांधी पर गंभीर आरोप लगते हैं तो कांग्रेस नेतृत्व जवाबदेही भी बनती है। उन्होंने मांग की कि रहलु गांधी इस मामले पर सार्वजनिक रूप से जवाब दें तथा कांग्रेस पार्टी संबंधित सांसद के लिए वरुड निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संगठनात्मक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा

शिक्षा महाकुंभ में शामिल हुए जयराम ठाकुर, छात्रों के विभिन्न नवाचारों की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

विकसित भारत का लक्ष्य आत्मनिर्भर और विज्ञानमय भारत से होगा साकार : जयराम ठाकुर

हमीरपुर, ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सोनईटी हमीरपुर में आयोजित 'शिक्षा महाकुंभ' में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में लंबे समय बाद जवाबदेही के प्रति समर्पित सरकार काम कर रही है। देश के प्रधानमंत्री ने विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, वह उनकी दूरगामी सोच और देशवासियों के प्रति भरोसे का प्रतीक है। आने वाले समय में भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में जाना जाए और विकसित राष्ट्र के रूप में पहचाना जाए, इसलिए राजनीति से अलग राजनीति के तहत उन्होंने यह लक्ष्य निर्धारित किया है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए आत्मनिर्भर और ज्ञानयन भारत का लक्ष्य साकार करना होगा। आज भारत में अंतरिक्ष से लेकर रक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो काम हुए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। आज हम चांद के दक्षिणी छवि तक पहुंच गए हैं। दुनिया की बड़ी कंपनियों में भारतीय लोग का कोई

मुकाबला नहीं है। आज के युवा देश में देश के लिए काम करना चाहते हैं, क्योंकि ऐसा माहौल और इकोसिस्टम देश में तैयार हुआ है। देश में वैज्ञानिक



सोच और चिंतन को प्रोत्साहन देने के लिए विद्या भारती शोधकुर जैसे प्रयासों के माध्यम से अभूतपूर्व कार्य कर रही है। शिक्षा, प्रकृति और प्रगति के समन्वय के लिए शिक्षा महाकुंभ के माध्यम से विद्या भारती जो प्रयास कर रही है, वह प्रशंसनीय है। विद्या भारती की शिक्षण पद्धति व्यक्तित्व का निर्माण भी करती

है, जो व्यक्तिपरक होने के बजाय राष्ट्रपरक और मानवता की सेवा पर केंद्रित है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ÷हमारी वैदिक



परंपरा में शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति निर्माण और राष्ट्र निर्माण का साधन है। विकसित भारत की नींव मजबूत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में है। विज्ञान केवल विषय नहीं, बल्कि सोचने, समझने, प्रश्न पूछने और समाधान खोजने की संस्कृति है। इसलिए हमारी शिक्षा

व्यवस्था में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिज्ञासा को बढ़ावा देना आवश्यक है। इसके लिए एक संतुलित ईकोसिस्टम की आवश्यकता है।:- उन्होंने कहा, «जब हमारी शिक्षा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त होगी, हमारे शिक्षक नवाचार के प्रेरक होंगे, हमारे विद्यार्थी शोध और समाधान के वाहक होंगे और हमारी तकनीक प्रकृति एवं समाज के कल्याण के लिए काम करेगी, तभी विज्ञानमय भारत, विकसित भारत का वास्तविक आधार बनेगा।» इस दौरान उन्होंने शिक्षा महाकुंभ में आए छात्रों के विभिन्न नवाचारों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह हताश है। राहुल गांधी की बार-बार फेल हुई लांचिंग से कांग्रेसी अब अराजकता पर उतर आए हैं और देश की सवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ अविश्वास का माहौल खड़ा करना चाहते हैं, जबकि वे देश के लोगों का विश्वास खो चुके हैं। कांग्रेस अराजकता फैला रही है और देश के लोग नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के

साथ चलना चाहते हैं। हाल में हुए उपचुनाव में भी भाजपा को प्रचंड मतों से जीत मिली है।

उन्होंने कहा कि सत्ता से बेदखल होने वाले दिमागी नक्सली अब अराजकता पर उतर आए हैं और पूरे देश का माहौल खराब करना चाहते हैं। कांग्रेस को देशवासियों ने ठुकरा दिया है। जब जनमत से उन्हें सत्ता नहीं मिली, तो वे देश को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को लेकर पंजाब गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें भाजपा के बारे में बोलने के बजाय अपनी पार्टी और नेताओं पर ध्यान देना चाहिए। उनकी हालत ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें बार-बार दिल्ली की दौड़ लगानी पड़ रही है। अपने ही पार्टी के नेताओं की फोटो पोस्टर से हटाकर उन्होंने अपनी एकजुटता का हिसाब दे दिया है। हाल ही में हुए चुनाव में प्रदेश के लोगों ने भी सरकार के प्रति अपनी मंशा जाहिर कर दी है। इसलिए सुक्खू भाजपा के बारे में सोचना छोड़ें और अपना तथा अपनी पार्टी का ध्यान रखें।

पिछले 40 वर्षों में देश की स्थापित प्रमुख योजनाओं में आरंभिक, प्रगतिर्जन और बहुउद्देशीय कार्यक्रमों को शामिल होगा। बैटक में 100 और स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध करने का निर्णय लिया गया जिसके लिए नई योजना तैयार की जाएगी। इन स्कूलों में नई योजना आधारित भर्ती के माध्यम से 3,900 शैक्षणिक और 900 गैर-शैक्षणिक पदों को भरने की भी मंजूरी प्रदान की गई। बैटक में शेष रह गए एसएमसी शिक्षकों (जिनमें पीजीटी और टीजीटी शिक्षक शामिल हैं) के लिए एलडीआर (सीमित सीधी भर्ती) परीक्षा आयोजित करने को मंजूरी दी गई। मंत्रिमंडल ने सरकारी स्कूलों में आउटसोर्स आधार पर कार्यरत कंप्यूटर शिक्षकों के पदों को एलडीआर के माध्यम से भरने का भी निर्णय लिया। स्वास्थ्य विभाग में 500 सहायक स्टाफ नर्सों के पद भरने को मंजूरी दी गई। शिक्षा विभाग में कालेज केन्द्र के सहायक प्रोफेसर्स के 320 पद बैकलॉग कोटों के तहत भरने का निर्णय लिया गया। लोक निर्माण विभाग में 172 मल्टी टास्क वर्कर्स के पद भरने का निर्णय लिया गया। बैटक में चिकित्सा शिक्षा विभाग में 30 रेडियोलॉजिस्ट, 13 क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट और परम्प्युजनिस्ट के 6 पद भरने को मंजूरी दी गई। दिव्यांग व्यक्तियों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण कोटों के तहत विभिन्न श्रेणियों के 27 पदों तथा 11 मल्टी टास्क वर्कर्स के पदों को भरने की भी स्वीकृति प्रदान की गई। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में स्पेशलिस्ट एवं सुपर स्पेशलिस्ट श्रेणी के 24 चिकित्सा अधिकारियों के पद भरने का निर्णय लिया गया।

आवश्यक सूचना

ठकानों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह विज्ञापन चक्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उद्देश्य की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र प्रयोक्ता विज्ञापनों के बारे में किसी भी तरह से उत्तरदायी नहीं होगा।

पंजाब सरकार का सामाजिक सुरक्षा कवच और मजबूत; 36.39 लाख लाभार्थियों को 3,243 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता जारी: डॉ. बलजीत कौर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में प्रत्येक जरूरतमंद तक समय पर सरकारी सहायता पहुंचाने के लिए पंजाब सरकार प्रतिबद्ध

चंडीगढ़ । मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और विशेष रूप से समाज के कमजोर, हाशिए पर रहने वाले तथा जरूरतमंद वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए लगातार परिणामोन्मुखी कदम उठा रही है। यह जानकारी सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने दी।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा चालू वित्त वर्ष के दौरान विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत अब तक 3,243 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता जारी की जा चुकी है, जिससे राज्य के 36.39 लाख लाभार्थियों को सीधे लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल वित्तीय सहायता प्रदान करना ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों को सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने के लिए मजबूत सहारा देना भी है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि विधवाओं एवं बेसहारा महिलाओं तथा आश्रित बच्चों को वित्तीय सहायता के रूप में 841.76 करोड़ रुपये की राशि 9.45 लाख लाभार्थियों को जारी की जा चुकी है। इसी प्रकार, बुजुर्गों एवं दिव्यांग व्यक्तियों को वित्तीय सहायता के रूप में 2,401.67 करोड़ रुपये की राशि 26.94 लाख लाभार्थियों को उपलब्ध करवाई गई है।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार का उद्देश्य है कि राज्य का कोई भी जरूरतमंद नागरिक आर्थिक सहायता की आवश्यकता के समय स्वयं को अकेला महसूस न करे। सरकार प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से और समय पर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा लाभार्थियों को निर्बाध सहायता उपलब्ध करवाने के लिए पंजाब

सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान 6,131.91 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के संबंध में लोगों के बीच अधिक से अधिक जागरूकता पैदा की जाए, पात्र लाभार्थियों के आवेदनों का तुरंत निपटारा सुनिश्चित किया जाए तथा जमीनी स्तर पर नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य का कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकार द्वारा जनकल्याण के लिए खर्च किया जाने वाला प्रत्येक रुपया वास्तविक हकदार तक पहुंचे।

म्हारी सड़क एप पर आने वाली शिकायतों का 10 दिन में हो समाधान: मुख्यमंत्री

हर जिले में बनेगी मॉडल रोड, गुरुग्राम में 10 आइकोनिक सड़कें होंगी तैयार , निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत के लिए सार्वजनिक होंगे मोबाइल नंबर

चंडीगढ़। हरियाणा में सड़कों की मरम्मत से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए 10 दिन की समय-सीमा तय की गई है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि म्हारी सड़क एप पर आने वाली शिकायतों पर 10 दिन के भीतर कार्रवाई कर समाधान सुनिश्चित किया जाए। शिकायतें लंबित न रहें और संबंधित अधिकारी समय पर काम पूरा करवाएं। मुख्यमंत्री सचिवालय में म्हारी सड़क एप और विभिन्न विभागों के अधीन सड़कों की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में टाइलों के बजाय आरसीसी या तारकीला का इस्तेमाल किया जाए। पंचायत विभाग, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) सहित सभी विभागों की सड़कें पीडब्ल्यूडी के तय गुणवत्ता मानकों के अनुसार बनाई जाएं। यदि किसी अधिकारी की निगरानी में बनी सड़क समय से पहले खराब होती



है और जांच में लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित अधिकारी के प्रदर्शन को उसकी एसीआर से जोड़ा जाएगा। बैठक के दौरान पीडब्ल्यूडी, एचएसएएमबी, पंचायत विभाग, एफएमडीए, जीएमडीए, एसएमडीए, पीएमडीए, एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी, यूएलबी से संबंधित सड़कों की समीक्षा हुई। इस दौरान इन विभागों से संबंधित सड़कों की म्हारी सड़क एप पर आई शिकायतों बारे भी चर्चा हुई, जिसमें लापरवाही मिलने वाले मामले में मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए।

निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत के लिए सार्वजनिक होंगे मोबाइल नंबर - मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के दौरान काम में अनियमितता या घटिया सामग्री के इस्तेमाल की शिकायत के लिए संबंधित विभाग का मोबाइल नंबर सार्वजनिक किया जाए। इससे लोग निर्माण कार्य के दौरान ही गड़बड़ी की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचा सकेगे। वहीं, सड़क खराब होने या मरम्मत की जरूरत से जुड़ी शिकायतें म्हारी सड़क एप पर दर्ज की जा सकेगी, जिनका 10 दिन के भीतर

समाधान करना होगा।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सड़क निर्माण स्थल पर ऐसे बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर निर्माण एजेंसी का नाम, सड़क का निर्माण पूरा होने की तारीख, डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड (डीएलपी) यानी दोष दायित्व अवधि और संबंधित अधिकारियों के नाम व मोबाइल नंबर दर्ज हों। इससे लोगों को सड़क निर्माण और उसकी देखभाल से जुड़ी जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

हर जिले में मॉडल रोड, गुरुग्राम में बनेगी 10 आइकोनिक सड़कें - बैठक में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने बताया कि विभाग हर जिले में एक मॉडल रोड बना रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 18 फीट से अधिक चौड़ी सड़कों पर रोड मार्किंग, किनारों की लाइन और मोड़ों को बेहतर बनाया जाए। गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला जैसे शहरों में सड़कों को आकर्षक बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

अधिकारियों ने बताया कि गुरुग्राम में 10 आइकोनिक सड़कें विकसित की

जाएंगी। इन पर स्मार्ट लाइटें, स्ट्रीट फर्नीचर और हरियाली के साथ नो-स्मोकिंग जोन, दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर तथा डिस्टले पर जागरूकता संदेश जैसी सुविधाएं होंगी।

जीआईएस मैपिंग से शिकायत पहुंचेगी सीधे संबंधित अधिकारी तक - बैठक में बताया गया कि करीब 63,621.53 किलोमीटर सड़कों की जीआईएस मैपिंग पूरी हो चुकी है। इस व्यवस्था को एसडीओ और जेई स्तर तक जोड़ा गया है, ताकि शिकायत सीधे संबंधित क्षेत्र के अधिकारी तक पहुंचे और कार्रवाई में देरी न हो। एचएसआईआईडीसी और एचएसवीपी के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उनके अधीन क्षेत्रों में सड़कें खराब हालत में न रहें। सेक्टरों की सड़कों पर मार्किंग, पट्टियों और रंग-रोगन सहित सौंदर्यकरण का ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के कारण निर्माण कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए टेंडर और अन्य प्रक्रियाएं समय पर पूरी की जाएं।

महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के 57 कैडेटों ने एन.डी.ए. (II) की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की

संस्थान ने 87.7 प्रतिशत सफलता के साथ अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

चंडीगढ़ । पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट, मोहाली के कैडेटों ने एन.डी.ए. (II) की लिखित परीक्षा में 87.7 प्रतिशत की रिकॉर्ड सफलता

में दर्ज करके इतिहास रच दिया है। संस्थान के 65 कैडेटों में से 57 कैडेट एन.डी.ए. (II) की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करके जून 2027 में शुरू होने वाले प्रतिष्ठित एन.डी.ए.-158 पाठ्यक्रम के लिए अर्हता प्राप्त करने में सफल रहे हैं।

नियमित कैडेटों के अलावा, संस्थान में दो महीने के क्रेस कोर्स में शामिल होने वाले 30 उम्मीदवारों में से 7 ने भी इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण किया है। सफल कैडेट अब भारतीय सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए बेहद महत्वपूर्ण अगले चरण, सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड (एस.एस.बी.) के साक्षात्कार में शामिल होंगे।

कैडेटों को बधाई देते हुए पंजाब के

रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा, +ये युवा पंजाब का गौरव हैं। उनकी लगन और कड़ी मेहनत ने राज्य का नाम रोशन किया है। मैं

उन्हें आगामी एस.एस.बी. साक्षात्कार और आगे के कठिन प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं देता हूं। श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि यह परिणाम भारतीय सशस्त्र बलों के लिए देश के अग्रणी प्रशिक्षण संस्थानों में से एक के रूप

एम.आर.एस.ए.एफ.पी.आई. की प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है। यह मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की उस दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत राज्य के युवाओं को रक्षा सेवाओं की ओर प्रेरित करने के साथ-साथ देश की सेवा करने के उनके सपनों को साकार करने के लिए विश्वस्तरीय प्रशिक्षण अवसरचना उपलब्ध करवाई जा रही है।



हरियाणा में मीडिया कर्मियों के लिए आर्थिक सहायता दुगुनी

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहाँ हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में 'हरियाणा मीडिया पर्सनल वेलफेयर फंड एडमिनिस्ट्रेशन स्कीम' में संशोधन को मंजूरी दी गई। इसके तहत पात्र मीडिया कर्मियों के लिए आर्थिक सहायता की अधिकतम सीमा को हर मामले में 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। खास बात यह है कि कैबिनेट ने यह फैसला मुख्यमंत्री द्वारा 2 मार्च, 2026 को हरियाणा विधानसभा में वर्ष 2026-27 के बजट भाषण के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप लिया गया है। बजट भाषण के दौरान, मुख्यमंत्री ने आपात स्थिति में मीडिया कर्मियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता की अधिकतम सीमा को 2.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने की घोषणा की थी।

माइनिंग गार्ड के पदों को गुरुप-डी से गुरुप-सी में अपग्रेड करने की मिली मंजूरी

पूर्व अग्निवीरों के हित में हरियाणा सरकार का बड़ा निर्णय

चंडीगढ़ । मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में खान एवं भूविज्ञान विभाग में माइनिंग गार्ड के पद को रूप-डी (सीधी भती स्तर) से अपग्रेड करके रूप-सी (एफपीएल-2) में अपग्रेड करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की गई। इस निर्णय का उद्देश्य सरकारी पदों की भर्ती में पूर्व अग्निवीरों के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित आरक्षण एवं अन्य लाभों के क्रियान्वयन को सुविधाजनक बनाना है।

मंत्रिमंडल द्वारा माइनिंग गार्ड के पद को रूप-सी के पदों के लिए लागू खान एवं भूविज्ञान विभाग के संबंधित सेवा नियमों के अंतर्गत लाने की भी मंजूरी दी गई। इसके लिए हरियाणा खान एवं भूविज्ञान विभाग (रूप-सी) सेवा नियम, 1998 में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने सरकारी पदों पर भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को कई तरह के लाभ प्रदान करने की अधिसूचना जारी की है। इनमें क्षैतिज

आरक्षण, अधिकतम आयु सीमा में छूट, सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) से छूट तथा जहां लागू हो, फिजिकल स्क्रീनिंग टेस्ट से छूट शामिल हैं। इस पद को अपग्रेड करने से यह अन्य विभागों में समान पदों के अनुरूप हो जाएगा। इनमें वन विभाग में फॉरेस्ट गार्ड, कारागार विभाग में वार्डर तथा गृह विभाग में पुलिस कांस्टेबल शामिल हैं, जिन्हें रूप-सी के पदों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। रूप-सी के पदों पर भर्ती में सीईटी के अतिरिक्त चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरण शामिल होंगे हैं। इससे पूर्व अग्निवीरों के लिए राज्य सरकार की नीति को लागू करते समय अधिवर्धियों की उपयुक्तता का आकलन करने के लिए उचित व्यवस्था स्थापित की जा सकेगी।

प्रशासनिक विभाग को संबंधित सेवा नियमों में आवश्यक संशोधन करने तथा जहां भी आवश्यक हो, मानव संसाधन विभाग, वित्त विभाग और अन्य संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमोदन एवं सहमति प्राप्त करने के लिए अधिकृत किया गया है।

उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया। इस दौरान आरोपी एसएसआई गुरबख्श सिंह को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 80,000 रुपये रिश्त लेते रगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना फिरोजपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गत वर्ष के दौरान जीएसटी में छूट देकर करोड़ों नागरिकों को लाभ पहुंचाने का काम किया जिसकी पूरे देश में चर्चा हुई। इस प्रकार प्रधानमंत्री ने देश को वैश्विक स्तर पर उंचाईयों पर पहुंचाने का कार्य किया है। यह कार्य कोई विजनरी नेता ही कर सकता है। लेकिन विपक्ष ने इसका भी मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि विजन वाले कभी मजाक नहीं करते। विपक्ष ने मजाक उड़ाकर मानवता को नुकसान पहुंचाया है। हाल ही में हुए निगम एवं उप चुनाव में भी भाजपा को विजय मिली है और 2029 के चुनाव में कांग्रेस के हालात ओर खराब भी होने वाले है।

कांग्रेस युवाओं को कर रही गुमराह- मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस केवल युवाओं को गुमराह कर रही है। लेकिन युवा उनके चरित्र और चेहरों को भली-भांति पहचानते

हैं। उन्होंने कहा कि आज के युवा को मोदी की नीतियों के बारे में विस्तार से अवगत करवाना है। युवाओं को विपक्ष के कारनामों के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत दिनों जब एक तरफ जंतर-मंतर पर धरना हो रहा था, उस समय उन्होंने जब यमुनानगर में नशा मुक्त अभियान की शुरुआत की तब एक लाख युवाओं ने भाग लिया। हरियाणा के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, उसका सकारात्मक रूप से उपयोग किया जाना चाहिए। उनके सहयोग से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमण्डल की बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी प्रधानमंत्री के लिए धन्यवाद प्रस्ताव लेकर आए। प्रधानमंत्री व गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी जी ने 25 साल

लगातार सार्वजनिक सेवा के लिए दिए हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री के कार्यकाल में देश में अभूतपूर्व बदलाव आया है। प्रधानमंत्री विजनरी लीडर हैं जिन्होंने धरातल पर बदलाव लाने का काम किया है और भारत की जनता ने 12 वर्षों में रेलवे, एयरपोर्ट कनेक्टिविटी जैसी परिवर्तनकारी नीतियों को स्पष्ट देखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस प्रस्ताव के माध्यम से, हरियाणा मंत्रिमंडल ने प्रदेश के विकास के प्रति उनके विशेष योगदान के लिए हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया है। साथ ही, उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है। हम उनके प्रति सम्मान को जनसेवा की अपनी जिम्मेदारी और अधिक निष्ठा से निभाने के संकल्प में बदलेंगे। मोदी जी के विकसित भारत-2047 के लक्ष्य में हरियाणा अग्रणी योगदान देगा, यही हमारा प्रण है।

राज्यपाल ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सामूहिक प्रयासों का किया आह्वान

● 16 लाभार्थियों को मिले नि :शुल्क कृत्रिम अंग

चंडीगढ़ । हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कॉर्पोरेट घरानों, परोपकारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं सहित आम नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए आगे आएँ और सामुदायिक सेवा से जुड़े प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राज्यपाल आज लोक भवन, हरियाणा में 'एक्ट टुगेथर' संस्था द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग वितरण शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित थीं। शिविर के दौरान 16 जरूरतमंद लाभार्थियों को नि:शुल्क अत्याधुनिक कृत्रिम अंग प्रदान किए गए।

राज्यपाल ने कहा कि समय, कौशल अथवा संसाधनों के रूप में दिया गया छोट्टा-सा योगदान भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा कि कई लोगों को अपनी क्षमताओं और दृढ़ संकल्प के बावजूद, आत्मनिर्भरता फिर से हासिल करने और अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समय पर सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे में समाज का सामूहिक सहयोग न केवल उन्हें गतिशीलता प्रदान करता है, बल्कि उनके जीवन में आत्मविश्वास, सम्मान और नई आशा का संचार भी करता है।

स्थानीय निकायों को छठे राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार ही आवंटित होगी धनराशि

चंडीगढ़ । मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में वित्त वर्ष 2026-27 से अगले राज्य वित्त आयोग की सिफारिशें प्राप्त होने तक ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकायों को धनराशि आवंटित करने के लिए छठे राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों को जारी रखने की मंजूरी दी गई।

यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि सातवें राज्य वित्त आयोग से अभी तक राज्य सरकार को रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे में, पूर्व में अपनाई गई व्यवस्था के अनुरूप, अगले राज्य वित्त आयोग की सिफारिशें प्राप्त होने तक स्थानीय निकायों को धनराशि छठे राज्य वित्त आयोग की स्वीकृत सिफारिशों के अनुरूप ही वितरित की जाएगी।

अनुमोदित व्यवस्था के तहत राज्य के स्वयं के कर राजस्व का वास्तविक आधार पर 7 प्रतिशत हिस्सा स्थानीय निकायों को आवंटित किया जाएगा। ग्राम पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों को इस धनराशि का वितरण जनसंख्या के लिए 80 प्रतिशत तथा क्षेत्रफल के लिए 20 प्रतिशत वेटेज के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए हर वर्ष 31 दिसंबर तक परिवार पहचान पत्र पोर्टल पर उपलब्ध जनसंख्या के आंकड़ों का उपयोग किया जाएगा।

जिला परिषदों और पंचायत समितियों के मामले में भी प्रत्येक वर्ष 31 दिसंबर तक परिवार पहचान पत्र पोर्टल पर उपलब्ध जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर धनराशि वितरित की जाएगी। ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के बीच राशि का अंतर-स्तरीय वितरण क्रमशः 75:15:10 के अनुपात में किया जाएगा।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के आय पात्रता मानदंडों में बदलाव

● हरियाणा सरकार ने परिवार की सालाना आय की सीमा बढ़ाकर 1.80 लाख की

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई हरियाणा कैबिनेट की बैठक में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना में अहम बदलावों को मंजूरी दी गई। इन बदलावों का मकसद योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा पात्र महिलाओं तक पहुंचाना, इसे लागू करने की प्रक्रिया को आसान बनाना और आर्थिक सहायता पहुंचाने के सिस्टम को मजबूत करना है। ये संशोधन 01 नवम्बर, 2026 से प्रभावी होंगे। मंजूर किए गए बदलावों के तहत, योजना के लिए परिवार की सालाना आय की पात्रता सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये कर दी गई है। इस योजना का मकसद महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करके और उन्हें सामाजिक सुरक्षा देकर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। अभी 10 लाख से ज्यादा महिलाएँ इस पहल का लाभ उठा रही हैं। कैबिनेट ने उस प्रावधान को हटाने को भी मंजूरी दी, जिसके तहत लाभार्थी कम मासिक सहायता राशि चुन सकते थे। इस बदलाव से सभी पात्र लाभार्थियों को 2,100 प्रतिमाह का तय लाभ मिलेगा, जिससे भुगतान में एकरूपता आएगी और प्रशासनिक प्रक्रिया आसान होगी।

चंडीगढ़ । पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना सदर फरीदकोट में तैनात सहायक सब-इंस्पेक्टर (एसएसआई) गुरबख्श सिंह को 80,000 रुपये रिश्त लेते रगे हाथों काबू किया है। आज यहां इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को जिला फरीदकोट के गांव घुगियाणा के एक निवासी की ओर से दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार



संपादकीय

छात्रावासमें पानी की टंकी की सफाई ने उठाए गंभीर सवाल

अहम सवाल यह है कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की निगरानी और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन की नहीं, तो और किसकी है? उत्तर प्रदेश में मथुरा के वृंदावन स्थित एक आवासीय विद्यालय में पानी की टंकी साफ करने उतरे चार छात्रों की मौत की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह महज ह्दसा नहीं, बल्कि इससे विद्यालय में व्यवस्था की गंभीर लापरवाही उजागर होती है। शिक्षा संस्थान बच्चों के लिए ज्ञान और व्यक्तित्व निर्माण के केंद्र होते हैं।यहां विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपने अधिकारों, जिम्मेदारियों और बेहतर भविष्य की सीख दी जाती है। ऐसे में यदि विद्यालयों में छात्रों को पढ़ाई के अलावा अन्य काम करना पड़े, तो यह शिक्षा के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्न खड़े करता है। आखिर क्या वजह रही कि आवासीय विद्यालय में विद्यार्थियों को पानी की टंकी साफ करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिस कारण उनकी जान चली गई! क्या किसी ने उन्हें यह काम करने के लिए कहा था या फिर वे अपनी मर्जी से यह सब कर रहे थे, इसकी सच्चाई तो जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन दोनों ही स्थितियों में विद्यालय प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकता।अहम सवाल यह है कि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की निगरानी और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन की नहीं, तो और किसकी है? पानी की टंकी की सफाई और रखरखाव नियमित व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए। अगर टंकी से दुर्गंध उठ रही थी, तो प्रबंधन ने अपने स्तर पर समय रहते उसकी सफाई करने की जरूरत महसूस क्यों नहीं की? इस घटना का विचलित कर देने वाला पहलू यह है कि एक छात्र सफाई के लिए टंकी के भीतर गया और वापस नहीं आया। इसके बाद तीन अन्य छात्र उसे बचाने के लिए टंकी में कूद गए। हैरत इस बात की है कि विद्यालय के कर्मियों को जब इस घटना का पता चला, तब तक देर हो चुकी थी। पुलिस को चाहिए कि इस घटना की गहरान जांच कर वह लापरवाही की उस पूरी शृंखला को सामने लाए, जिस कारण चार निर्दोष छात्रों की जान चली गई। विद्यालयों का दायित्व बच्चों को काम में लगाना नहीं, बल्कि उन्हें अच्छी शिक्षा देकर बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना है।

विचार/मंथन

पहाड़ों की राजनीति लेने लगी करवट ! उत्तराखंड कांग्रेस में रावत के तेवर से सियासी तूफान के संकेत?

(नीरज कुमार दुबे)

कांग्रेस हाईकमान ने हरीश रावत की ‘धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा’ को लेकर साफ संदेश दिया है कि चुनावी राज्य में किसी एक नेता का समानांतर अभियान नहीं चल सकता और पार्टी को सामूहिक रूप से चुनाव लड़ना होगा। लेकिन हरीश रावत पीछे हटने की बजाय अपनी यात्रा पर आगे बढ़े। पहाड़ की राजनीति में वैसे तो मौसम कब करवट ले ले, कहा नहीं जा सकता, लेकिन इस बार कांग्रेस के भीतर का मौसम कुछ ज्यादा ही बिगड़ा हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ भाजपा लगातार संगठन को चुनावी मोड़ में ले जा रही है, दूसरी तरफ कांग्रेस अपने ही घर की उठापटक से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रही है। इस पूरी कहानी के केंद्र में एक बार फिर वही पुराने चेहरे हरीश रावत हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार सवाल यह है कि लगातार चुनावी पराजयों के बाद भी कांग्रेस आखिर बार-बार उन्हीं पर दांव क्यों लगाये? और क्या अब भी उनके पास उत्तराखंड की राजनीति को निर्णायक रूप से प्रभावित करने की उतनी ही ताकत बची है? हम आपको बता दें कि कांग्रेस हाईकमान ने हरीश रावत की ‘धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा’ को लेकर साफ संदेश दिया है कि चुनावी राज्य में किसी एक नेता का समानांतर अभियान नहीं चल सकता और पार्टी को सामूहिक रूप से चुनाव लड़ना होगा। लेकिन हरीश रावत पीछे हटने की बजाय अपनी यात्रा पर आगे बढ़े। उनका कहना है कि वे कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने के लिए जनता के बीच जा रहे हैं। सुनने में यह बात बिल्कुल कांग्रेस के हित में लगती है, लेकिन राजनीति में सिर्फ इरादा नहीं, नतीजे भी देखे जाते हैं और यहीं से हरीश रावत की मौजूदा राजनीतिक हैसियत पर सवाल उठने शुरू होते हैं। हरीश रावत उत्तराखंड के बड़े नेताओं में रहे हैं, इसमें कोई दो राय नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली, केंद्र की राजनीति में लंबी पारी खेली और उत्तराखंड कांग्रेस को कई मुश्किल दौर में संभाला। लेकिन राजनीति में किसी नेता का कद सिर्फ उसके पुराने पदों से नहीं मापा जाता। चुनावी राजनीति में जनता का फैसला सबसे बड़ा पैमाना होता है और अगर इसी पैमाने पर हरीश रावत के पिछले कुछ चुनावों को देखा जाए तो तस्वीर बहुत चमकदार नहीं दिखाई देती। 2017 का विधानसभा चुनाव शायद

इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री रहते हुए हरीश रावत ने दो विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया। हरिद्वार ग्रामीण और किच्छा, दोनों सीटों पर वह मैदान में उतरे, लेकिन दोनों जगह हार गए। हरिद्वार ग्रामीण में भाजपा के यतीश्वरानंद ने उन्हें 12 हजार से ज्यादा वोटों से हराया, जबकि किच्छा में भाजपा के राजेश शुक्ला ने उन्हें शिकस्त दी। यानी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ उतराखंड का सबसे बड़ा कांग्रेसी चेहरा विधानसभा



तक नहीं पहुंच सका। उस चुनाव में कांग्रेस की हालत इतनी खराब हुई कि पार्टी 70 में से सिर्फ 11 सीटों पर सिमट गई और भाजपा ने 57 सीटें जीतकर सत्ता पर कब्जा कर लिया। वैसे राजनीति में हार के बाद वापसी संभव होती है और हरीश रावत ने भी कोशिश जारी रखी। 2019 में वे नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरे, लेकिन भाजपा के अजय भट्ट के सामने टिक नहीं सके। अजय भट्ट को 7.72 लाख से ज्यादा वोट मिले और हरीश रावत करीब 4.33 लाख वोट पर रुक गए। हार का अंतर तीन लाख से ज्यादा रहा। इसके बाद 2022 में विधानसभा चुनाव आया तो रावत ने लालकुआं को अपना रणक्षेत्र बनाया। इस बार भी भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट ने उन्हें 17,527 वोटों के अंतर से हरा दिया। यानी 2017 में दो विधानसभा सीटों

पर हार, 2019 में लोकसभा की हार और 2022 में विधानसभा की हार, लगातार चुनावी पराजय का यह सिलसिला किसी भी नेता के राजनीतिक भविष्य पर सवाल खड़ा करने के लिए काफी है। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। 2024 के लोकसभा चुनाव में हरिद्वार से कांग्रेस ने हरीश रावत के बेटे वीरेंद्र रावत को मैदान में उतारा। मुकाबला भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से था। नतीजा फिर कांग्रेस के खिलाफ गया। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने वीरेंद्र रावत को करीब 1.64 लाख वोटों से हरा दिया। यानी जिस परिबार को कांग्रेस लंबे समय से उत्तराखंड की राजनीति में एक मजबूत आधार मानती रही है, उसके सामने भी चुनावी जमीन उतनी मजबूत दिखाई नहीं दी, जितनी पार्टी शायद मानती रही है। यहीं से सवाल पैदा होता है कि बार-बार हरीश रावत पर ही दांव क्यों लगाया जाये? क्या कांग्रेस के पास उत्तराखंड में कोई नया चेहरा नहीं है? क्या पार्टी ने नई पीढ़ी का नेतृत्व तैयार नहीं किया? क्या संगठन के भीतर ऐसा कोई नेता नहीं है जो हरीश रावत के बिना कांग्रेस को चुनावी मुकाबले में खड़ा कर सके? या फिर कांग्रेस हाईकमान को अब भी लगता है

कि चुनाव जीतने की क्षमता भले कम हुई हो, लेकिन हरीश रावत के पास वह राजनीतिक अनुभव, जनसंपर्क और संगठनात्मक पकड़ है जिसे नजरअंदाज करना पार्टी के लिए नुकसानदेह होगा? देखा जाये तो हरीश रावत की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वे उत्तराखंड की राजनीति को बेहद करीब से जानते हैं। वे पहाड़ की भाषा समझते हैं, मैदान की राजनीति को समझते हैं और कांग्रेस के पुराने कार्यकर्ताओं के बीच उनकी पकड़ भी है। वे राजनीतिक मुद्दों को जनता की भाषा में बदलने की कला जानते हैं। लेकिन उनकी सबसे बड़ी कमजोरी भी अब सामने है। उनकी व्यक्तिगत चुनावी विश्वसनीयता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। जब कोई नेता खुद लगातार चुनाव हार रहा हो तो उसके समर्थकों के लिए यह कहना आसान नहीं होता कि वही नेता पार्टी को सत्ता तक पहुंचा

देगा। यही वजह है कि कांग्रेस के भीतर हरीश रावत की भूमिका को लेकर असमंजस दिखाई देता है। पार्टी उन्हें पूरी तरह किनारे नहीं कर सकती, क्योंकि उनका अनुभव और जनाधार अब भी उपयोगी है। लेकिन पार्टी उन्हें पूरी तरह आगे भी नहीं कर सकती, क्योंकि तब बाकी नेताओं और गुटों के बीच असंतोष बढ़ने का खतरा है। अगर हरीश रावत अपनी अलग राजनीतिक गतिविधियां जारी रखते हैं तो हाईकमान को डर है कि चुनाव से पहले ही कांग्रेस का मंच अलग-अलग हिस्सों में बंट जाएगा देखा जाये तो उत्तराखंड कांग्रेस की असली समस्या यही है। उसके पास नेता बहुत हैं, लेकिन नेतृत्व का सर्वमान्य चेहरा नहीं है। हर नेता अपने समर्थकों के साथ खड़ा है, हर गुट अपनी राजनीतिक जगह चाहता है और दिल्ली चाहती है कि चुनाव आते-आते सभी एक मंच पर दिखाई दें। लेकिन पहाड़ की राजनीति में जितनी ऊंचाई होती है, उतने ही मोड़ भी होते हैं। कांग्रेस के सामने इस समय सबसे बड़ा मोड़ नेतृत्व का ही है। उधर भाजपा की कहानी बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। 2017 में भाजपा ने 70 में से 57 सीटें जीतकर कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। 2022 में भाजपा का आंकड़ा घटकर 47 जरूर हुआ, लेकिन सत्ता उसके हाथ से नहीं निकली। कांग्रेस 19 सीटों तक पहुंची, लेकिन सरकार बनाने से काफी दूर रही। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तराखंड की पांचों सीटें जीतकर कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलने दिया। भाजपा की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह पिछली जीत के भरोसे बैठी दिखाई नहीं देती। वह उन सीटों पर भी संगठन मजबूत करने में जुटी है जहां उसे विधानसभा चुनाव में हार मिली थी। पार्टी की तैयारी बूथ स्तर तक दिखाई देती है और उसके सामने चुनाव सिर्फ सरकार बचाने का नहीं, बल्कि उत्तराखंड में अपने राजनीतिक वर्चस्व को और मजबूत करने का है। इसके उलट कांग्रेस के पास सरकार के खिलाफ मुद्दों की कोई कमी नहीं है। बेरोजगारी है, भर्ती परीक्षाओं के सवाल हैं, पलायन है, पहाड़ के गांवों का खाली होना है, जमीन और जंगल के सवाल हैं, युवाओं की नाराजगी है और स्थानीय अस्मिता से जुड़े मुद्दे हैं। लेकिन इन मुद्दों को एक बड़े राजनीतिक अभियान में बदलने से पहले कांग्रेस को अपने भीतर की लड़ाई खत्म करनी होगी।

शारदीय नवरात्र 2026

हाथी पर आगमन और मंगलवार को गमन अति शुभ

(जीतू नागपुरे)

नवरात्रि का पर्व पूरे देश में बड़े ही जोश और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व साल में दो बार आता है, लेकिन शारदीय नवरात्रि का महत्व सबसे विशेष माना जाता है। शारदीय नवरात्रि 2026 की शुरुआत 11 अक्टूबर, रविवार से हो रही है। हर साल नवरात्रि पर माता रानी अपने भक्तों के पास किसी न किसी विशेष वाहन पर सवार होकर आती हैं। हिंदू धर्मग्रंथों और ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार माँ दुर्गा के आगमन और प्रस्थान के वाहन आने वाले समय की शुभ-अशुभ परिस्थितियों का संकेत देते हैं। तो चलिए जानते हैं इस साल शारदीय नवरात्रि में माता किस वाहन पर सवार होकर पधारेंगी और किस वाहन पर प्रस्थान करेंगी।

देवी भागवत पुराण के अनुसार, इस वर्ष 2026 में माता हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। वैसे तो हर वाहन अपने साथ अलग तरह के संकेत और संदेश लेकर आता है। लेकिन हाथी का आगमन हमेशा से समृद्धि और शांति का प्रतीक माना गया है। इसका अर्थ है कि आने वाला वर्ष भरपूर वर्षा, सफल फसल, दुध-दही की प्रचुरता और समाज में समृद्धि लेकर आएगा। समाज में खुशहाली बनी रहेगी, खेत-खलिहान उर्वर होंगे, फसलें अच्छी होंगी और अन्न-भंडार भरे रहेंगे। भक्तों का विश्वास है कि हाथी पर



आने वाली माँ धरती को हरियाली और लोगों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। किस वाहन पर प्रस्थान करेंगी देवी दुर्गा शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा के आगमन के साथ ही उनके प्रस्थान के वाहन का भी विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि नवरात्रि के समापन के दिन जिस वार को देवी विदा होती हैं, उसी के आधार पर उनके प्रस्थान का वाहन तय होता है। शारदीय नवरात्रि का समापन विजयादशमी के दिन होता है। साल 2026 में विजयादशमी 20 अक्टूबर, मंगलवार को पड़ रही है। मंगलवार के दिन देवी दुर्गा के घोड़े पर

प्रस्थान करने की मान्यता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवी का घोड़े पर प्रस्थान शुभ संकेत नहीं माना जाता। इसे आने वाले समय में सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर उथल-पुथल, तनाव और अस्थिरता की आशंका से जोड़कर देखा जाता है। देवी की आराधना, दान-पुण्य और सकारात्मक कर्मों को इस दौरान विशेष महत्व दिया जाता है।

कैसे तय होता है मां दुर्गा का वाहन

माँ दुर्गा के वाहन का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में विस्तार से मिलता है। विशेष रूप से श्रीमद देवी

भागवत महापुराण में एक प्रसिद्ध श्लोक है, जो स्पष्ट करता है कि नवरात्रि किस वार से आरंभ होती है, उसके आधार पर माता का वाहन कौन-सा होगा और उसका प्रभाव कैसा होगा-

श्लोक

शशिसूर्ये गजारूढा शनिभौमे तुरंगमे।

गुरो शुक्रे दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता॥

यह श्लोक बताता है कि यदि नवरात्रि रविवार या सोमवार से शुरू होे, तो माँ दुर्गा हाथी पर आती हैं। इसका अर्थ है वर्षा की प्रचुरता, फसल की भरपूर उपज और समृद्धि।

यदि नवरात्रि शनिवार या मंगलवार से आरंभ होे, तो माता घोड़े पर आती हैं, जो युद्ध, अशांति और उथल-पुथल का संकेत माना जाता है। यदि नवरात्रि की शुरुआत गुरुवार या शुक्रवार को होे, तो माँ पालकी (डोला) पर आती हैं। इसे मिश्रित फलदायी माना जाता है क्योंकि शांति तो कभी सामाजिक विवाद या महामारी का संकेत। यदि नवरात्रि बुधवार को शुरू होे, तो माँ का वाहन नौका (कश्ती/नाव) होता है, जो सुख, शांति और मनोकामनाओं की पूर्ति का प्रतीक है।

मां दुर्गा के विदाई के वाहन का रहता है गहरा संदेश – जैसे माँ दुर्गा के आगमन का वाहन विशेष महत्व रखता है, वैसे ही उनके विदाई के वाहन का भी गहरा संदेश होता है। प्राचीन ग्रंथों में इसका स्पष्ट उल्लेख मिलता है।

आज का राशिफल

मे़ष

आज हिसाब-किताब में संकर्तका और संयमित जवाब रखे ।पैसों के मामले में आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा, पर बेवजह की चीज़ें खरीदने से बचें । चंद्रदेव और सूर्यदेव कन्या राशि में रहकर रोज के खर्चों और पुराने बकाये भुगतानों को देखने के लिए कह रहे हैं ।

मिथुन

आज पैसों में स्पष्टता और संतुलित व्यवहार रखना होगा ।पैसों के मामलों पर आज ध्यान देने की जरूरत है । घर-परिवार के खर्चों और आपसी जिम्मेदारियों को लेकर बात हो सकती है । बिना कुछ सोचे सीधे अपनी बात रखें । जोखिम भरे कामों में पैसा लगाने से आज दूर ही रहें ।

सिंह

आज दिखावे से बचाव और साथियों की सलाह काम करें ।पैसों के मामले में अवाकफ लाभ के बजाय स्थिरता पर ध्यान दें ।निजी जरूरतों या परिवार पर कुछ खर्च हो सकता है । जिससे पैसों से थोड़ा ध्यान हट सकता है, पर फिर भी अपने बजट और आने वाले खर्चों की अनदेखी न करें ।

वृष

आज पुराने निवेश की जांच और निरंतर प्रयास ।पैसों की योजना बनाने के लिए आज का दिन सही रहेगा । आप अपनी बचत बढ़ाने और निवेश को नया रूप देने की सोच सकते हैं । ।ई भी नया कदम उठाने से पहले पुराने वादों को जांच लें । केवल सुंदर दिखने के कारण कोई सामान खरीदने से बचें ।

कर्क

अपने जज्बात पर काबू और लंबी योजनाएं बनाएं ।पैसों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ सकती है ।गुरु बृहस्पति सही योजना बनाने में मदद करेंगे और जरूरत के समय साथ दिलाएंगे । भावुक होकर जल्दबाजी में पैसा खर्च करा सकते हैं ।

कन्या

आज खर्चों की छंटनी और योजनाबद्ध विकास करना होगा ।पैसों के सही प्रबंधन और फैसलों पर ध्यान रहेगा । आप बचत और खर्चों का हिसाब काफी गंभीरता से बनाएंगे ।यह फिजूलखर्चों को पहचानने का सही समय है ।पैसों में थोड़े उतार-चढ़ाव देखकर बहुत ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है ।

तुला

आज पुराने लेन-देन की समीक्षा और स्पष्ट बातचीत रखना होगा ।पैसों के मामलों को ध्यान से देखना होगा । किसी पुराने फैसले या खरीदारी पर दोबारा सोचने की जरूरत पड़ सकती है । जल्दबाजी में कोई वादा न करें और हर कागज को अच्छे से देखने के बाद ही पैसों का लेन-देन करें । बैठकों और अपनी बात रखने में मदद करेंगे ।

धनु

आज नेटवर्क से सलाह और सुरक्षित नियोजन बनाना होगा ।पैसों के नए मौके दपतरी संपर्कों या पुरानी योजनाओं से मिल सकते हैं ।आने वाले फायदे को जरूरत से ज्यादा बड़ा मानकर न चले ।अपने खर्चों को बांधकर रखें और आपातकालीन स्थिति के लिए बचत बचाकर रखें ।बिना वजह का जोखिम उठाने से बचना ही सही रहेगा ।

कुंभ

आज नई योजनाओं की जांच और सही सोच रखना होगा ।अलग-अलग तरीकों से पैसा कमाने का मन कर सकता है । नए विचार अच्छे हैं, पर किसी अज्ञान जगह पैसा लगाने से पहले हर बात की जांच कर लें ।जोखिम भरे कामों से बचें ।सीधे और सुरक्षित रास्ते से चलना ही ज्यादा सही रहेगा ।काम को बेहतर देखकर बहुत ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है ।

वृश्चिक

आज गुप्त रणनीति और नियमों से बचत होगी ।अपनी आर्थिक योजनाओं को आज गुप्त रखना ही फायदेमंद रहेगा ।ग्रहों की स्थिति आपको बहुत संभलकर चलने की सलाह दे रही है । अगर कहीं पैसा लगाने का सोच रहे हैं, तो पहले पूरी जानकारी निकाल लें ।

मकर

आज आमदनी में सुधार और जिम्मेदारी से काम करना होगा ।सही योजना बनाकर चलने से पैसों की स्थिति बेहतर हो सकती है ।आप लंबी अवधि की बचत करने और फालतू बकायों को कम करने के बारे में सोचेंगे ।दूसरों को प्रभावित करने के लिए खर्च न करें ।आज सीधी सोच ही आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगी ।

मीन

आज पुराने बकाये की संभाल और नियमित मेहनत काम आएगी ।पैसों के मामलों में आज थोड़ी सावधानी की जरूरत है । भावनाओं में आकर खर्च न करें ।अपने रुके हुए बकाये भुगतानों पर नजर रखें ताकि आगे चलकर तनाव न बने ।

वर्ग पहेली 6239

1	2		3	4	5
6			7		
8		9			
		10	11		
13	14		15		
16			17	18	19
		20		21	22
23				24	

संकेत:
बाएं से दाएं
1. 15 अगस्त को भारत के अतिरिक्त कांगों, नार्थ कोरिया, साऊथ कोरिया व इस देश में भी स्वधीनता दिवस मनाया जाता है (4)
4. इस वृक्ष को छोटे-छोटे फलों से मरिदा निर्माण भी होता है (3)
6. मित्र, दोस्त, सखा, उपपति (2)
7. अरब का एक प्रसिद्ध शहर, ग्राधिक रूप से इस अरबी शब्द का अर्थ शहर या नगर है (3)
8. अन्याय पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहा जाता है (4)
10. नृप्ट प्वंस, बर्बाद (6)
13. चैन, रहत, आराम (2)
15. वह विस्फोटक पदार्थ जो ज्वालामुखी पर्वत से निकलता है (2)
16. श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
17. कामिनी (3)
21. सबसे दोस्ती करने वाला (4)
23. जिसका नाम किसी बात आदि के लिए तय कर लिया हो (4)
24. हाथ, हस्त, महसूल, टैक्स (2)
ऊपर से नीचे
1. डंडी हवा, पवन (3)
2. अक्षर, वर्ण (3)

वर्ग पहेली 6238 का हल									
पा	र	क	म	न	अ	म	े	ी	
र्	व	र	क	न्या				क	
	र	क	मी	य	दि				
र	बा		जू		ल	बख			
ह	क		आ	न	वा	न			
न	व	नी	त	न	वा	ब			
	च		ति	धि	जी	न			
	जो		र	क्त		ना			

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी कानूनमें दोषी साबित होनेपर जेल की सजा ही हो, जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से जुड़े कानून के तहत अपराध का दोषी साबित होने



पर भी जरूरी नहीं है कि जेल की ही सजा हो। तस्ख काउंसिल की 57वीं बैठक में इस बारे में नियमों में बदलाव को मंजूरी दी गई है। काउंसिल ने रजिस्ट्रेशन, कैसलेशन, रिफंड से लेकर नोटिस और सजा तक के प्रावधानों में ऐसे बदलावों को मंजूरी दी है, जिनसे कारोबार करने की राह और आसान होगी। इस बारे में सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड करस्टप्स ने शुक्रवार को अवसर पूछे जाने वाले प्रश्नों के जवाब जारी किए। काउंसिल ने तस्ख कानून के तहत टैक्स अधिकारियों का किसी को गिरफ्तार करने का अधिकार तो पूरी तरह खत्म कर ही दिया है और मुकदमा चलाने के लिए टैक्स अमाउंट 5 करोड़ रुपये से ज्यादा होने की बात तय की है, तस्ख के तहत अपराधों के लिए अधिकतम सजा में भी बदलाव किए हैं। अब तक चल रही व्यवस्था में जेल और जुर्माने, दोनों की बात थी, लेकिन काउंसिल ने तय किया है कि 1 अप्रैल 2027 से सजा के रूप में जेल या जुर्माने या दोनों की व्यवस्था होगी। काउंसिल ने तय किया है कि 5 करोड़ से अधिक और 10 करोड़ रुपये तक की टैक्स चोरी के मामले में अधिकतम 2 साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। 10 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी में अधिकतम 5 साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। फैसला सक्षम अदालत करेगी। हालाकि एक अहम बदलाव यह आएगा कि अगर तस्ख कानून के तहत कोई दोषी साबित हो जाए, तो भी जरूरी नहीं है कि उसे जेल की सजा हो। साथ ही, सेक्शन 132(3) के तहत अभी अनिवार्य रूप से कम से कम 6 महीने की जेल की सजा होती है। यह अनिवार्यता 1 अप्रैल से हट जाएगी।

एक के पैकेट में बिस्कुट कम हो गए हैं, तो दूसरे में काम के दिन! पारले-जी के बहाने किस पर तंज कस रहे हैं हर्ष गोयनका

नई दिल्ली, एजेंसी। आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति हर्ष गोयनका ने



बिस्कुट के मशहूर ब्रांड पारले-जी के बहाने नेताओं पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि पारले-जी के 10 रुपये के पैकेट की तरह संसद में वर्किंग डेज में भी लगातार गिरावट आई है। इस पैकेज का वजन 2008 में 140 ग्राम था जबकि अब इसका वजन आधा यानी 70 ग्राम रह गया है। इसी तरह हाल में संसद सत्र का ज्यादातर समय भी हंगामे की भेंट चढ़ गया और बहुत कम दिन कामकाज हो पाया। हर्ष गोयनका ने एक्स पर पारले-जी की एक फोटो पोस्ट की है। इसमें बताया गया है कि पारले-जी के 10 रुपये के पैकेट की कीमत में कई साल से कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन इसका वजन लगातार कम हुआ है। गोयनका ने इसके साथ ही लिखा, दोनों ही सिकुड़ रहे हैं! एक के पैकेट में बिस्कुट कम हो गए हैं, तो दूसरे में काम के दिन!' 2008 में पारले-जी के 10 रुपये वाले पैकेट का वजन 140 ग्राम था जो 2011 में घटकर 130 ग्राम रह गया। 2014 में इसका वजन 10 ग्राम कम करके 120 ग्राम कर दिया गया। इसके बाद 2017 में इसका वेट 20 ग्राम कम होकर 100 ग्राम रह गया। 2020 में यह 90 ग्राम का रह गया। 2023 में इसमें फिर कटौती की गई और इसका वजह 80 ग्राम रह गया। इस साल यह 70 ग्राम का रह गया है। इसी तरह संसद का हालिया मॉनसून सत्र भी हंगामे की भेंट चढ़ गया था।

विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट रहा है, 4 सप्ताह में निकल गए 51 बिलियन से ज्यादा

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह भारी गिरावट आई है। 2 अक्टूबर 2026 को सप्ताह के दौरान इसमें करीब 13 की कमी की खबर है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 1.8 बिलियन से ज्यादा की गिरावट हुई थी। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें करीब 15 और उससे एक सप्ताह पहले करीब 5 की गिरावट आई थी। मतलब कि चार सप्ताह में ही 51.1 डॉलर निकल गए। हां, 4 सितंबर 2026 तक लगातार 10 सप्ताह इसमें बढ़ोतरी ही हो रही थी।

एसडीआर में बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्राईंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में 15 की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले इसमें 97 की कमी हुई थी। अब अपना कुल एसडीआर भंडार बढ़ कर 18.656 का हो गया है। इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में 1.5 की गिरावट हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 86 की कमी हुई थी। अब अपना आईएमएफ रिजर्व घट कर 4.789 का रह गया है।

अर्थ/बाजार

डॉलर, तेल, बॉन्ड, एफआईआई चौतरफा मार से 100 की ओर बढ़ रहा रुपया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रुपये की कीमत में हाल में डॉलर के मुकाबले काफी गिरावट आई और यह शतक पूरा करने के करीब पहुंच गया। रुपये में गिरावट के कई कारण हैं। इनमें डॉलर की मजबूती, तेल की कीमत में बढ़ोतरी, भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों की बिकवाली और यूएस ट्रेजरी यील्ड में तेजी शामिल है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 17 पैसे मजबूत होकर 96.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। लेकिन हाल में रुपये में जिस तरह से गिरावट आई है, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि रुपया आने वाले दिनों में 100 तक गिर सकता है।

सवाल यह है कि भारत की मजबूत पूंजी आकर्षित करने की क्षमता के बावजूद निवेशक रुपये में और गिरावट की आशंका क्यों देख रहे हैं कई विश्लेषक हेजिंग पैटर्न और मुद्रा अनुमानों के आधार पर आगे भी रुपये के दबाव में रहने की संभावना जता रहे हैं। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि वित्तीय बाजार अव्यावधि में अक्सर तर्कसंगत तरीके से व्यवहार नहीं करते और कई संकेतक यह दर्शाते हैं कि भारतीय रुपया ओवरवैल्यूड नहीं बल्कि अंडरवैल्यूड हो सकता है। एमपीसी

रेखा सिप करते हुए देती थीं पोज, याद है वो कोल्ड ड्रिंक ब्रांड जिसके जादू से महक उठा था भारतीय बाजार



नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड स्पॉट याद है यह सिर्फ एक सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड नहीं था। इसके बजाय 80 और 90 के दशक के बच्चों और युवाओं के दिलों में बसा ऐसा कोना था, जो आज भी लोगों के जेहन में जिंदा है। बॉलीवुड अभिनेत्री रेखा ने उस दौर में इसकी चमक में चार चांद लगा दिए थे। सिप करते उनके पोज ने इस ब्रांड के जादू को पूरे भारतीय बाजार में महका दिया था। यहां पढ़ें गोल्ड स्पॉट की पूरी कहानी।

ऐसे हुई शुरुआत: गोल्ड स्पॉट की कहानी की शुरुआत होती है 1947 के दशक के बाद से। रमेश चौहान के नेतृत्व में पारले ने ग्लूको बिस्किट की सफलता के बाद पहला ‘ग्लूको कोला’ लॉन्च किया था। इसे कोका-कोला के साथ कानूनी विवाद के कारण 1951 में बंद करना पड़ा। फिर 1952 में पारले ने ‘गोल्ड स्पॉट’ नाम से ऑरेंज फ्लेवर वाली ड्रिंक पेश की। यह तुरंत हिट साबित हुई। वेंडर बर्फ से भरे बर्तनों में बोतलों को ठंडा करके व्यस्त चौराहों पर इसे बेचा करते थे।

80 के दशक के मध्य में ब्रांड को फिर से स्थापित करने की जरूरत महसूस हुई ताकि इसे बच्चों के दायरे से निकालकर युवाओं तक पहुंचाया जा सके। रेडिफ्यूजन एजेंसी और कमलेश पांडे ने इसके लिए ‘द जिंग थिंग’ टेगलाइन गढ़ी। प्रह्लाद कक्कड़ और लुई बैंक की टीम ने ‘ग्रीस’ फिल्म जैसे स्टाइलिश, जोशीले और पश्चिमी संगीत से प्रेरित विज्ञापन बनाए। इन विज्ञापनों और रेखा के शुरुआती जुड़ाव ने इसे युवाओं के बीच ‘द मोस्ट पॉपुलर अनकोला’ और ‘फॉर् मो’ ब्रांड बना दिया।

1993 में थम्स अप, लिमका और माजा के साथ गोल्ड स्पॉट को भी ग्लोबल दिग्गज कंपनी कोका-कोला ने खरीद लिया। कोका-कोला ने अपने ब्रांड ‘फे्टा’ के लिए बाजार में जगह बनाने के मकसद से इस लोकप्रिय स्वदेशी ब्रांड को बाजार से हटा दिया। हालांकि, आज यह कोल्ड ड्रिंक बाजार में मौजूद नहीं है। लेकिन, इसकी पुरानी यादें और रेखा के दौर के वे विज्ञापन आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं।



भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 2 अक्टूबर 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 12.752 की भारी कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 18.343 की तगड़ी गिरावट हुई थी। उससे एक सप्ताह पहले 14.881 की कमी हुई थी और 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 4.924 की कमी हुई थी। इन चार सप्ताह के दौरान ही अपने भंडार में 51.100 की भारी कमी हुई है।

भारत के लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक



संजय मल्होत्रा, आरबीआई गवर्नर

इस बीच इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने कहा है कि भारत रुपये पर दबाव झेलने के लिए काफी मजबूत है। एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि यूएस फेडरल रिजर्व के इंटरेस्ट रेट बढ़ाने के फैसले से ग्लोबल फाइनेंशियल हालात और संख्त होंगे और भारत एक्सचेंज रेट को शॉक एवॉर्ब करे तौर पर काम करने देगा।

की बैठक के बाद उन्होंने कहा कि बाजार की धारणा और करेंसी के बारे में निवेशकों की स्थिति हमेशा किसी करेंसी के वास्तविक मूल्य को नहीं दर्शाती। उन्होंने कहा, ‘केवल

लंबी अवधि में बाजार किसी करेंसी का सही मूल्य निर्धारित कर पाते हैं।’ उनसे रुपये में लगातार हो रही गिरावट और करेंसी हेजिंग एक्टिविटीज के बारे में पूछा गया था।

जियो के आईपीओ का वैल्यूएशन होगा 10.3 लाख करोड़!

कितने में मिलेगा शेयर, रिलायंस के शेयरहोल्डर्स को क्या होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी जियो प्लैटफॉर्मस अपने 10.3 ट्रिलियन रुपये (लगभग 106 अरब डॉलर) का वैल्यूएशन हासिल करने का लक्ष्य रख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, सौदे से जुड़े चार बैंकों ने शुक्रवार को बताया कि यह भारत के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जियो प्लैटफॉर्मस अपने शेयरों का प्राइस बैंड 1,065 रुपये से 1,119 रुपये प्रति शेयर तय करने जा रही है। इस मसले पर फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कोई जवाब नहीं दिया है। रिपोर्ट में एजेंसियों के हवाले से यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक अपने बहुप्रतीक्षित के लिए 1,065-1,119 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। इससे भारत के सबसे बड़े पब्लिक इश्यू

के लिए रास्ता साफ हो गया है। 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयरों के ड्राफ्ट ऑफर साइज के आधार



पर, यह इश्यू निचले स्तर पर लगभग 28,755 करोड़ और ऊपरी स्तर पर 30,213 करोड़ जुटा सकता है। हालांकि इश्यू का फाइनल साइज ‘रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस’ में बताई गई ऑफर की शर्तों पर निर्भर करेगा। ड्राफ्ट रेट हैरिंग प्रॉस्पेक्टस के

अनुसार योजना 10 की फेस वैल्यू वाले 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी करने की है।

पर, यह इश्यू निचले स्तर पर लगभग 28,755 करोड़ और ऊपरी स्तर पर 30,213 करोड़ जुटा सकता है। हालांकि इश्यू का फाइनल साइज ‘रेड हैरिंग प्रॉस्पेक्टस’ में बताई गई ऑफर की शर्तों पर निर्भर करेगा। ड्राफ्ट रेट हैरिंग प्रॉस्पेक्टस के

उम्मीद है कि यह पूरी तरह से नया इश्यू होगा और इसमें ‘ऑफर-फॉर-सेल’ का कोई हिस्सा नहीं होगा। रिपोर्ट के अनुसार, ड्राफ्ट फाइलिंग के समय जियो प्लैटफॉर्मस में रिलायंस की हिस्सेदारी लगभग 66.4 प्रतिशत थी,

एलन मस्क के तीखे हमलों के बीच आईएसबी प्रोफेसर ने किया आगाह, कहा- भारत को सावधानी बरतना सही

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन स्कूल ऑफ बिनेस में फाइनेंस के एसोसिएट प्रोफेसर प्रसन्ना तांत्री का कहना है कि एलन मस्क की स्टारलिक को लेकर सावधानी बरतना सही है। कारण है कि भारत



विदेशी नियंत्रण वाले अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भरता के जोखिमों पर विचार कर रहा है। उन्होंने भारत को ‘भू-राजनीतिक जोखिम’ के बारे में आगाह किया। दिग्गज अर्थशास्त्री ने चेतावनी दी कि वॉशिंगटन की पहुंच अमेरिकी कंपनियों और सीमाओं से कहीं आगे तक है।

प्रसन्ना तांत्री एलन मस्क के आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। मस्क ने आरोप लगाया था कि भारत में ‘कुछ रसूखदार लोग’ (ओलिगार्क्स) देश पर अपनी ‘एकाधिकार वाली पकड़’ बनाए रखने के लिए स्टारलिक को रोक रहे हैं। इसके बाद उन्होंने दोबारा पोस्ट करके सवाल किया था कि क्या अंबानी भारत के असली बॉस हैं

तांत्री ने एक पोस्ट में कहा, ‘स्टारलिक पर भारत सरकार की सावधानी को समझने के लिए मैं एडवर्ड फिशमैन की न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलर किताब ‘चोकपॉइंट्स’ पढ़ने की पुरजोर सलाह देता हूं।’ उन्होंने कहा कि यह किताब दिखाती है कि कैसे अमेरिका ने फाइनेंस और टेक्नोलॉजी में अपने दबदबे को सरकारी नीति के औजारों में बदल दिया। तांत्री ने कहा कि निजी मालिकाना हक कंपनियों को सरकारी ताकत से पूरी तरह सुरक्षित नहीं रखता। उन्होंने हुआवे और अमेरिकी प्रतिबंधों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, ‘हुआवे और लगे प्रतिबंध दिखाते हैं कि कैसे अमेरिकी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता भू-राजनीतिक जोखिम का कारण बन सकती है।’ प्रोफेसर ने ‘फॉरेन डायरेक्ट प्रोडक्ट रूल’ का जिक्र किया। इसके तहत अमेरिका के बाहर की कंपनियों को भी हुआवे को अमेरिकी टेक्नोलॉजी से बने कुछ उत्पाद सप्लाई करने के लिए अमेरिकी मंजूरी की जरूरत होती थी। तांत्री ने कहा, ‘वॉशिंगटन की पहुंच अमेरिकी कंपनियों और सीमाओं से कहीं आगे तक है। विदेशी नियंत्रण वाले अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा निर्भरता से यह जोखिम पैदा होता है कि कमर्शियल एक्ससे आखिरकार राजनीतिक शर्तों को मानने पर निर्भर हो जाएगी।’ उन्होंने कहा, ‘परस्पर आर्थिक निर्भरता से समृद्धि आ सकती है। लेकिन, भू-राजनीतिक टकराव के समय में यह किसी देश की अपनी पसंद चुनने की आजादी को भी सीमित कर सकती है।’ वह बोले, ‘कम समय के कमर्शियल फायदे और आजादी खोने के नुकसान, दोनों को तौलना होगा।’ संचार मंत्रालय ने मस्क के उस दावे का जवाब दिया था जिसमें कहा गया था कि भारत में कुछ रसूखदार लोग (ओलिगार्क्स) स्टारलिक को रोक रहे हैं।



शारदीय नवरात्रि 2026: 11 अक्टूबर को नवरात्रि का पहला दिन

हिंदू धर्म में चार नवरात्रि मनाई जाती हैं, जिनमें शारदीय नवरात्रि को विशेष और प्रमुख माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान देवी मां की पूजा-अर्चना करने से भक्तों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

इस नवरात्रि के दौरान दुर्गाष्टमी और महानवमी जैसे पर्व भी मनाए जाते हैं। इसके साथ ही दशहरा, करवा चौथ और दिवाली जैसे बड़े पर्वों का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस साल 11 अक्टूबर 2026, रविवार से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। नवरात्रि के पहले दिन का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इसी दिन कलश स्थापना के साथ नवरात्रि की विधिवत शुरुआत की जाती है। इस दिन जौ बोने की भी परंपरा है।

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

11 अक्टूबर 2026 को घट स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 19 मिनट से 10 बजकर 12 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 44 मिनट से दोपहर 12 बजकर 31 मिनट तक रहेगा।

11 अक्टूबर का चौघड़िया

शुभ: सुबह 6:19 से 7:48 बजे तक
रोग: सुबह 7:48 से 9:17 बजे तक
उद्देग: सुबह 9:17 से 10:46 बजे तक
चर: सुबह 10:46 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक
लाभ: दोपहर 12:15 से 1:44 बजे तक
अमृत: दोपहर 1:44 से 3:13 बजे तक
काल: दोपहर 3:13 से 4:42 बजे तक
शुभ: शाम 4:42 से 6:11 बजे तक

रात का चौघड़िया

अमृत: शाम 6:11 से 7:42 बजे तक
चर: शाम 7:42 से 9:13 बजे तक
रोग: रात 9:13 से 10:44 बजे तक
काल: रात 10:44 से 12:15 बजे तक
लाभ: रात 12:15 से 1:46 बजे तक
उद्देग: रात 1:46 से 3:17 बजे तक
शुभ: रात 3:17 से 4:48 बजे तक
अमृत: सुबह 4:48 से 6:19 बजे तक

शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर से शुरू होंगे। इन नौ दिनों में दुर्गा मां के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाएगी। इस बार नवरात्रि पर कई शुभ योग बन रहे हैं। माता दुर्गा गज पर सवार होकर आएंगी, जो समृद्धि का प्रतीक है।

शारदीय नवरात्रि का पर्व इस बार 11 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा के आगमन और प्रस्थान के वाहन का विशेष महत्व होता है। इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी। शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व इस साल 11 अक्टूबर 2026, रविवार से शुरू होगा। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। भक्त माता की आराधना, व्रत और साधना के जरिए देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की उपासना करने से घर में सुख-शांति और सकारात्मकता बनी रहती है। इस बार नवरात्रि के आगमन और विदाई के वाहन को लेकर भी विशेष चर्चा है। मान्यता के अनुसार रविवार को नवरात्रि शुरू होने के कारण मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी, जबकि विजयादशमी मंगलवार को होने से माता का प्रस्थान मुर्गे यानी चरणायुध पर माना जा रहा है। पंचांग के अनुसार इस बार शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 11 अक्टूबर 2026 से होगी। नवरात्रि का पहला दिन रविवार को पड़ रहा है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा होगी और 19 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी से जुड़े प्रमुख अनुष्ठान होंगे। इसके अगले दिन यानी 20 अक्टूबर को विजयादशमी मनाई जाएगी।

इस बार हाथी पर आएंगी मां दुर्गा

धार्मिक मान्यताओं में नवरात्रि के पहले दिन पड़ने वाले वार के आधार पर देवी के आगमन का वाहन तय किया जाता है। मान्यता है कि यदि नवरात्रि की शुरुआत रविवार या सोमवार से हो तो मां दुर्गा का वाहन हाथी होता है। शनिवार या मंगलवार को नवरात्रि शुरू होने पर घोड़े को देवी का वाहन माना



जाता है, जबकि कुछ अन्य वारों के लिए डोली और नौका की मान्यता बताई गई है। चूंकि वर्ष 2026 में शारदीय नवरात्रि का आरंभ रविवार से हो रहा है, इसलिए इस बार मां दुर्गा का आगमन गज यानी हाथी पर माना जा रहा है। धार्मिक मान्यता में हाथी को सुख-समृद्धि, स्थिरता और वैभव से जोड़कर देखा जाता है। इसलिए देवी का हाथी पर आगमन शुभ संकेत माना जाता है।

हाथी पर मां का आगमन

क्या संकेत देता है

हाथी को भारतीय परंपरा में शक्ति, स्थिरता और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। इसी वजह से धार्मिक मान्यताओं में देवी का गज पर आगमन सुख-समृद्धि और अनुकूल परिस्थितियों का संकेत माना जाता है। कुछ परंपराओं में इसे अच्छी वर्षा और कृषि के लिए भी शुभ संकेत से जोड़ा गया है। हालांकि, ये धार्मिक मान्यताएं हैं और इन्हें भविष्य की निश्चित भविष्यवाणी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

किस वाहन पर होगी

मां दुर्गा की विदाई

नवरात्रि के बाद विजयादशमी के दिन मां दुर्गा के प्रस्थान का वाहन भी उस दिन के वार के आधार पर तय करने की परंपरा है। इस साल विजयादशमी 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को होगी। प्रचलित शास्त्रीय मान्यता के अनुसार मंगलवार या शनिवार को देवी का प्रस्थान चरणायुध, जिसे परंपरा में मुर्गा या कुक्कुट कहा जाता है, पर माना जाता है। इसलिए इस बार मां

दुर्गा की विदाई मुर्गे पर होने की मान्यता है। धार्मिक परंपराओं में इस वाहन को बहुत शुभ नहीं माना जाता और इसे सामाजिक अशान्ति, चिंता या चुनौतियों जैसे संकेतों से जोड़ा गया है। हालांकि ये ज्योतिषीय और धार्मिक मान्यताएं हैं, वैज्ञानिक रूप से इनके आधार पर किसी घटना की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा

नवरात्रि के नौ दिनों में देवी के नौ अलग-अलग स्वरूपों की आराधना की जाती है। पहले दिन मां शैलपुत्री, दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कूर्मांडा, पांचवें दिन मां स्कंदमाता, छठे दिन मां कात्यायनी, सातवें दिन मां कालरात्रि, आठवें दिन मां महागौरी और नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। भक्त इन दिनों अपनी श्रद्धा के अनुसार व्रत रखते हैं, देवी पाठ करते हैं और घर में घटस्थापना कर माता की आराधना करते हैं। नवरात्रि का मूल भाव शक्ति, भक्ति और आत्मसंयम से जुड़ा है। इसलिए इन नौ दिनों में पूजा-पाठ के साथ मन, वचन और कर्म की शुद्धता पर भी ध्यान देने की परंपरा रही है।



अद्भुत, गोपनीय और रहस्यमयी हैं मां दुर्गा के 32 नाम

दानव महिषासुर के वध से प्रसन्न और निर्भय हो गए त्रिदेवों सहित देवताओं ने प्रसन्न भगवती से ऐसे किसी अमोघ उपाय की याचना की, जो सरल हो और कठिन से कठिन विपत्ति से छुड़ाने वाला हो। 'हे देवी! यदि वह उपाय गोपनीय हो तब भी कृपा कर हमें कहें।' मां भगवती ने अपने ही बत्तीस नामों की माला के एक अद्भुत गोपनीय रहस्यमय किंतु चमत्कारी जप का उपदेश दिया जिसके करने से घोर से घोर विपत्ति, राज्यभय या दारुण विपत्ति से ग्रस्त मनुष्य भी भयमुक्त एवं सुखी हो जाता है। मां दुर्गा को अपने यह 32 नाम अति प्रिय हैं। इन्हें सुनकर वे पुलकित हो जाती हैं।

कैसे करें जाप
देहशुद्धि के बाद कुश या कंबल के आसन पर बैठकर पूर्व या उत्तर की तरफ मुंह करके घी के दीपक के सामने इन नामों की 5/ 11/

21 माला नौ दिन करनी है और जगत माता से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की याचना करनी है।

मां दुर्गा के 32 नाम
1. दुर्गा, 2. दुर्गातिशयनी, 3. दुर्गादिनिवारिणी, 4. दुर्गामच्छेदनी, 5. दुर्गासाध्विनी, 6. दुर्गानाशिनी, 7. दुर्गतोद्धारिणी, 8. दुर्गानिहन्त्री, 9. दुर्गामाघा, 10. दुर्गमज्जाना, 11. दुर्गादित्यलोकदधानाला, 12. दुर्गमा, 13. दुर्गमालोका, 14. दुर्गमात्मस्वरूपिणी, 15. दुर्गामाग्निका, 16. दुर्गम विद्या, 17. दुर्गमाश्रिता, 18. दुर्गमज्ञान संस्थाना, 19. दुर्गामध्यान भासिनी, 20. दुर्गमोहा, 21. दुर्गामा, 22. दुर्गमाश्वत्थरूपिणी, 23. दुर्गमासुर संहर्त्रि, 24. दुर्गमायुध धारिणी, 25. दुर्गामांगी, 26. दुर्गमता, 27. दुर्गाम्या, 28. दुर्गमेश्वरी, 29. दुर्गभीमा, 30. दुर्गामा, 31. दुर्गामो, 32. दुर्गाद्वारिणी।



कैसे मनाएं नन्ही कन्याओं के पूजन का उत्सव

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है। अगर आप नौ दिनों तक पूजन नहीं कर सके तो अंतिम दो दिन शुभ और बेहतर अवसर होते हैं कन्या पूजन के लिए.

सबसे पहले कन्या जब घर में प्रवेश करें तब उनके पैरों में महावर या कुमकुम लगाकर घर में लेकर आएँ। उन पर फूलों की वर्षा करें। उनके हाथ में दो तरह की दक्षिणा दें। एक दक्षिणा कन्या घर लेकर जाएगी और दूसरी समस्त पूजन के बाद कन्या से वापिस लेनी है। जब कन्या जाने लगे तब हर कन्या से 1-1 सिक्का लें और उसे अपनी तिजोरी में रखें।

प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते हैं तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए : गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खटटे ना हो।
तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामरथ्य अनुसार रुमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
पांचवें दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए विलास, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।



नवरात्रि व्रत में किन-किन नियमों का करना चाहिए पालन

11 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रहे हैं, जो 20 अक्टूबर को समाप्त होंगे। देवी के आने से सभी के जीवन में खुशियां और सुख-समृद्धि का वास होता है। इस दौरान घरों व पंडालों में माता का भव्य तरीके से स्वागत किया जाता है, जिसकी तैयारी महीने भर पहले शुरू हो जाती है। नवरात्रि के ये नौ दिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों को पूरी तरह से समर्पित है। इस अवधि में देवी की विधि विधान से पूजा की जाती है। वहीं महिलाएं परिवार की तरक्की और खुशहाल जीवन के लिए नौ दिनों तक उपवास रखती हैं, जिससे माता रानी प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में उपवास रखने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती है। लेकिन व्रत के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाता है, जिससे पूजा का संपूर्ण फल मिलता है।

नवरात्रि व्रत नियम

- हिंदू धर्म में कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। नवरात्रि के व्रत का पारण हमेशा कंजका का पूजन करने के बाद होता है। ऐसे में किसी भी कन्या व महिला को अपमानित न करें। हमेशा उनके प्रति सम्मान का भाव रखें।
- नवरात्रि का व्रत रख रहे लोगों को तामसिक भोजन से परहेज रखना चाहिए। इस दौरान साधक को सात्विकता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित है। इस दौरान दिन के अनुसार माता के स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। पूजा में हमेशा दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तसती का पाठ करें, इससे देवी प्रसन्न होती हैं।
- नवरात्रि में अगर आपने कलश स्थापना, अखंड ज्योति या चौकी लगाई है, तो घर को कभी खाली न छोड़ें। ऐसा करना अशुभ होता है।
- यदि आप नौ दिनों का उपवास रख रहे हैं, तो बीच में व्रत न तोड़ें। यदि कोई गंभीर परिस्थिति है, तो देवी से क्षमा मांगें और व्रत नियमानुसार खोल लें।
- नवरात्रि के दिनों में घर में प्याज लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप व्रत नहीं रख रहे हैं, तब भी घर में इसका सेवन न करें।
- पैराणिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा घरों में भ्रमण करती है, तो घर को खाली न छोड़ें। हमेशा घर में उजाला व गैरक बनाएं रखें, इससे सुख-समृद्धि का वास होता है।



खेल

रहाणे ने की ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम को आईपीएल से हटाने की मांग

बोले- ऑलराउंडर्स के विकास में बन रहा बाधा

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादित ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम की आलोचना की है। रहाणे ने इस नियम को लीग से हटाने की वकालत भी की है। रहाणे उन कई क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जो इस नियम की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस नियम से भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स का विकास रुक रहा है और यह किसी काम का नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने ‘क्रिकबज’ से कहा, ‘मुझे लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले, ज्यादातर कप्तानों ने कहा था कि उन्हें ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या गाइडलाइंस 2027 तक लागू हैं। इसलिए



हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटाएंगे या इस साल के बाद होने वाले बड़े ऑक्शन (नीलामी) में हटाएंगे। हालांकि, असल में मुझे लगता है कि ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम का कोई मतलब या फायदा नहीं है।’ रहाणे ने आगे कहा, ‘यह नियम भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास में भी बाधा डाल रहा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाज की जगह गेंदबाज और गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को लाकर बल्ले या गेंद से बेहतर नतीजा पाने की कोशिश करती है। ’

भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की कमी के कारण टीम को अक्सर उनके विकल्प की तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा, भविष्य के लिए बहुत ज्यादा ऑलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं,

खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स, जो अब भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा, ‘खासकर आईपीएल में ऑलराउंडर्स खेल से बाहर होते जा रहे हैं। और मेरा पक्का मानना ​​??है कि आपको अपने ऑलराउंडर्स को तैयार करना चाहिए। भारतीय टीम के नजरिए से ऑलराउंडर्स बहुत जरूरी हैं। इसी कारण ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम को हटा देना चाहिए। पिछले साल मैं किसी टीम का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कुछ टीमों शायद 90/7 या 100/7 के स्कोर पर थीं, और इस नियम के चलते एक अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारकर उन्होंने 200 रन तक बना लिए थे। यही कारण है कि मुझे लगता है कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिलना चाहिए और ऑलराउंडर्स भी खेल में पूरी तरह शामिल होने चाहिए। उन्हें इसे हटा देना चाहिए। ’

‘किसी भी हार को हल्के में नहीं लेते, गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला जरूरी’

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम को शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेलें गए दूसरे टी20 मुकाबले में 249 रन बनाने के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने बल्ले और गेंद के बीच ज्यादा कड़े मुकाबले की बात कही। इसके साथ ही गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक

यादव की तारीफ की। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम

गंभीर ने कहा, ‘आप किसी भी हार को हल्के में नहीं लेते। अगर आप सुधार करते रहना चाहते हैं, तो आप किसी भी बात को छिपाना नहीं चाहते। हम एक वर्ल्ड चैंपियन टीम हैं, इसलिए हम सुधार करते रहना चाहते हैं। ये साफ तौर पर गेंदबाजी के लिए मुश्किल हालात हैं। हम जानते हैं कि ओस वाली सपाट विकेटें होती हैं।

यह मुश्किल है। हमें इसका हल निकालना होगा। ’ गंभीर ने कहा, ‘वेस्टइंडीज को जीत का श्रेय जाता है। वेस्टइंडीज ने पहले ओवर में दो विकेट और फिर पावरप्ले में तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद शाई होप और शेरफेन ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों वर्ल्ड-क्लास बल्लेबाज हैं। यह हमारे लिए मुश्किल था, लेकिन हम सुधार करते रहेंगे।



होप का तूफान

वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 में भारत को 6 विकेट से हराया

रांची। वेस्टइंडीज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में भारत को 6 विकेट से हराया। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 250 रनों के विशाल लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल किया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कामिल पूरन सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हेटमायर को मयंक यादव ने पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड किया। रोवमेन पॉवेल ने 13 गेंदों में 24 रन बनाए और वह मयंक यादव का तीसरा शिकार बने। 58 के स्कोर पर 3 विकेट गंवाने के बाद वेस्टइंडीज की लड़खड़ाती हुई पारी को कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। रदरफोर्ड और होप ने मिलकर 54 गेंदों में 120 रनों की साझेदारी निभाई। रदरफोर्ड ने 37 गेंदों में 7 चौके और सात गगनचुंबी छक्कों की मदद से 84 रनों की आतिशी पारी खेली। रदरफोर्ड के

आउट होने के बाद भी कप्तान होप एक छोर पर डटे रहे और उन्हें रोमारियो शेफर्ड के रूप में एक और अच्छा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 26 गेंदों में 74 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। होप ने शतकीय पारी खेली। वेस्टइंडीज के कप्तान 45 गेंदों में 102 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, शेफर्ड 13 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से गेंदबाजी में मयंक यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। इससे पहले, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 249 रन लगाए। टीम की ओर से संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 82 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि, अभिषेक शर्मा अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और वह 12 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 22 गेंदों में 43 रनों का योगदान दिया। शिवम दुबे 7 रन बनाकर आउट हुए।

अंत के ओवरों में श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 32 गेंदों में 83 रन जोड़े। अय्यर ने 18 गेंदों में 40 रन बनाए, तो तिलक 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 44 रन बनाकर नाबाद रहे।



वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 में श्रेयस अय्यर की जगह

शिवम को भेजना भारतीय टीम को महंगा पड़ा

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टी20 शुक्रवार को रांची में खेला गया। हाई-स्कोरिंग रहे इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम को चौंकाते हुए 6 विकेट से जीत हासिल की। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की यह सबसे बड़ी जीत थी। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन के 82, ईशान किशन के 43, श्रेयस अय्यर के 40 और तिलक वर्मा के नाबाद 44 रन की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 249 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज ने अपने कप्तान और सलामी बल्लेबाज शाई होप के 45 गेंदों पर



9 छक्कों और 6 चौकों की मदद से बनाए विस्फोटक 102 रन और शारफेन रदरफोर्ड के 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 7 चौकों की मदद से बनाए 84 रनों की बदौलत 18.3 ओवर में 4 विकेट पर 252 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज का टी20 में यह सबसे बड़ा रन-चेज था। वेस्टइंडीज ने बेशक यह मैच जीत लिया और इसका पूरा श्रेय उसे दिया जाना चाहिए, लेकिन भारतीय टीम मैनेजमेंट ने अपनी बल्लेबाजी के दौरान रणनीतिक चूक न की होती, तो शायद परिणाम पक्ष में आ सकता था।

गेंदबाजों ने घबराहट में आकर गलतियां कीं

दूसरे टी20 में टीम इंडिया की हार को लेकर बोले वरुण एरोन

नई दिल्ली । रांची में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज द्वारा 250 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण एरोन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदलना शुरू किया, तब भारतीय गेंदबाज अपनी तय योजना से भटक गए। एरोन का मानना ​​है कि भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार



गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने

‘जियोस्टार’ से कहा, ‘शाई

होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया। यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी। शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे।

मैं हमेशा से टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता था

लेकिन समय और हालात सही नहीं रहे: एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली । तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। नॉर्टजे ने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेला था। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन उन्होंने दो विकेट लिए और मेजबान टीम को ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 187/6 पर रोकने में मदद की, जिसके बाद शुक्रवार को खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल जल्दी खत्म करना पड़ा। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में एलेक्स

कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर (4) को आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 124/6 हो गया। फिटनेस की समस्याओं और मौकों के हाथ से निकल जाने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद नॉर्टजे टेस्ट टीम में लौटे हैं। ‘क्रिकइन्फो’ के अनुसार, नॉर्टजे ने कहा, ‘मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। अगर मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुईं जैसी होनी चाहिए थीं। ’

टेस्ट क्रिकेट में वापसी की



अपनी पिछली कोशिशों को याद करते हुए एनरिक नॉर्टजे ने उस चोट का जिक्र किया, जिसने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। तेज गेंदबाज ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट की वजह से वह लंबे समय तक मैदान से दूर रहे और टेस्ट टीम में वापसी की उनकी योजनाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंदें फेंक रहे थे। तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहनकर। घर पर रखे-रखे यह थोड़ी पुरानी हो गई है।

संक्षिप्त

समाचार

चेन्नई में होने वाले ऐतिहासिक बीबीएल मैच की टिकट बिकी शुरू

पर्यटकों के बीच से होगी मेलबर्न

रेनगेइस की मिडिल

मेलबर्न । मेलबर्न रेनगेइस और पर्यटकों के बीच चेन्नई के एमए चिंदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में ‘डिस्ट्रिक्ट बाय जोमेटो’ वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच



के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेन्डाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रेवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैंस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, ‘खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

न्यूजीलैंड के तेज

गेंदबाज विल ओ’रूके

भारत दौरे से बाहर

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज विल ओ’रूके भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो चुके हैं। 25 साल के ओ’रूके बाई हेमस्ट्रिंग और पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैब प्रक्रिया में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, ओ’रूके को आराम दिया जा रहा है। मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि दिसंबर-जनवरी में टीम को



ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की बेहद अहम सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, ‘यह निराशाजनक है कि विल को भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर इतने बड़े दौरे से बाहर होना पड़ा। वह वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज में हमारी योजना का हिस्सा थे, लेकिन बातचीत के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें चोटों से उबरने के लिए कुछ और समय देना चाहिए। ’

उन्होंने कहा, ‘अगले कुछ महीनों में हमारे तेज गेंदबाजी संसाधन बहुत जरूरी होंगे, इसलिए हम विल की वापसी का बेहतर तरीका अपना रहे हैं। हम चाहते हैं कि वह दोबारा मैदान पर उतरने से पहले पूरी तरह फिट हो जाएं।



नवंबर तक पंजाब के दो महारथ हॉकी स्टेडियमों – जालंधर में ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम – में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य चार टीमों मलेशिया, जापान, साउथ कोरिया और चीन हैं।

